香港故事書

global-asp.github.io/storybooks-hongkong

निर्णय / Decision

Written by: Ursula Nafula
Illustrated by: Vusi Malindi
Translated by: Nandani (hi)

This story originates from the African Storybook (africanstorybook.org) and is brought to you by 香港故事書 in an effort to provide children’s stories in 香港’s many languages.

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

निर्णय

Decision

Ursula Nafula
Vusi Malindi
Nandani
Hindi / English
Level 2

(imageless edition)

मेरे गाँव में बहुत सारी समस्याएँ थीं। हमें नल से पानी लेने के लिए बहुत लंबी पंक्ति में खड़ा होना पड़ता था।

. . .

My village had many problems. We made a long line to fetch water from one tap.

हमें दूसरों द्वारा दिए गए भोजन का इंतज़ार करना पड़ता था।

. . .

We waited for food donated by others.

चोरों के कारण हमें अपने घर जल्दी बंद करने पड़ते थे।

. . .

We locked our houses early because of thieves.

हमने साथ मिलकर एक स्वर में ज़ोर से कहा “हम अपनी ज़िंदगी ज़रूर बदलेंगे”। उस दिन से हम अपनी समस्याओं को हल करने के लिए साथ काम करते हैं।

. . .

We all shouted with one voice, “We must change our lives.” From that day we worked together to solve our problems.

एक और आदमी खड़ा हुआ और बोला “आदमी कुआँ खोदेंगे”।

. . .

Another man stood up and said, “The men will dig a well.”

बहुत से बच्चों ने बीच में ही विद्यालय छोड़ दिया।

. . .

Many children dropped out of school.

कम उम्र की लड़कियाँ दूसरे गाँव में नौकरानी का काम करती थीं।

. . .

Young girls worked as maids in other villages.

एक महिला ने कहा “महिलाएँ मेरे साथ मिलकर फ़सल उगा सकती हैं”।

. . .

One woman said, “The women can join me to grow food.”

पेड़ की डाली पर बैठा आठ वर्षीय जुमा चिल्लाया “मैं सफाई में मदद कर सकता हूँ”।

. . .

Eight-year-old Juma, sitting on a tree trunk shouted, “I can help with cleaning up.”

कम उम्र के लड़के गाँव में घूमते रहते थे जबकि बाकी दूसरों के खेतों में काम करते थे।

. . .

Young boys roamed around the village while others worked on people’s farms.

जब हवा चलती तो बेकार पड़े कागज़, पेड़ों और बाड़ों से लटक जाते थे।

. . .

When the wind blew, waste paper hung on trees and fences.

मेरे पिता ने खड़े होकर कहा “हमारी समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा”।

. . .

My father stood up and said, “We need to work together to solve our problems.”

एक बड़े पेड़ के नीचे लोग इकट्ठे हुए और उन्होंने सुना।

. . .

People gathered under a big tree and listened.

असावधानी से फेंके गए काँच के टुकड़ों से लोग घायल हो जाते थे।

. . .

People were cut by broken glass that was thrown carelessly.

फिर एक दिन, नल सूख गये और हमारे बर्तन खाली रह गए।

. . .

Then one day, the tap dried up and our containers were empty.

मेरे पिता ने घर-घर जाकर लोगों से विनती की कि वो गाँव की बैठक में आएँ।

. . .

My father walked from house to house asking people to attend a village meeting.